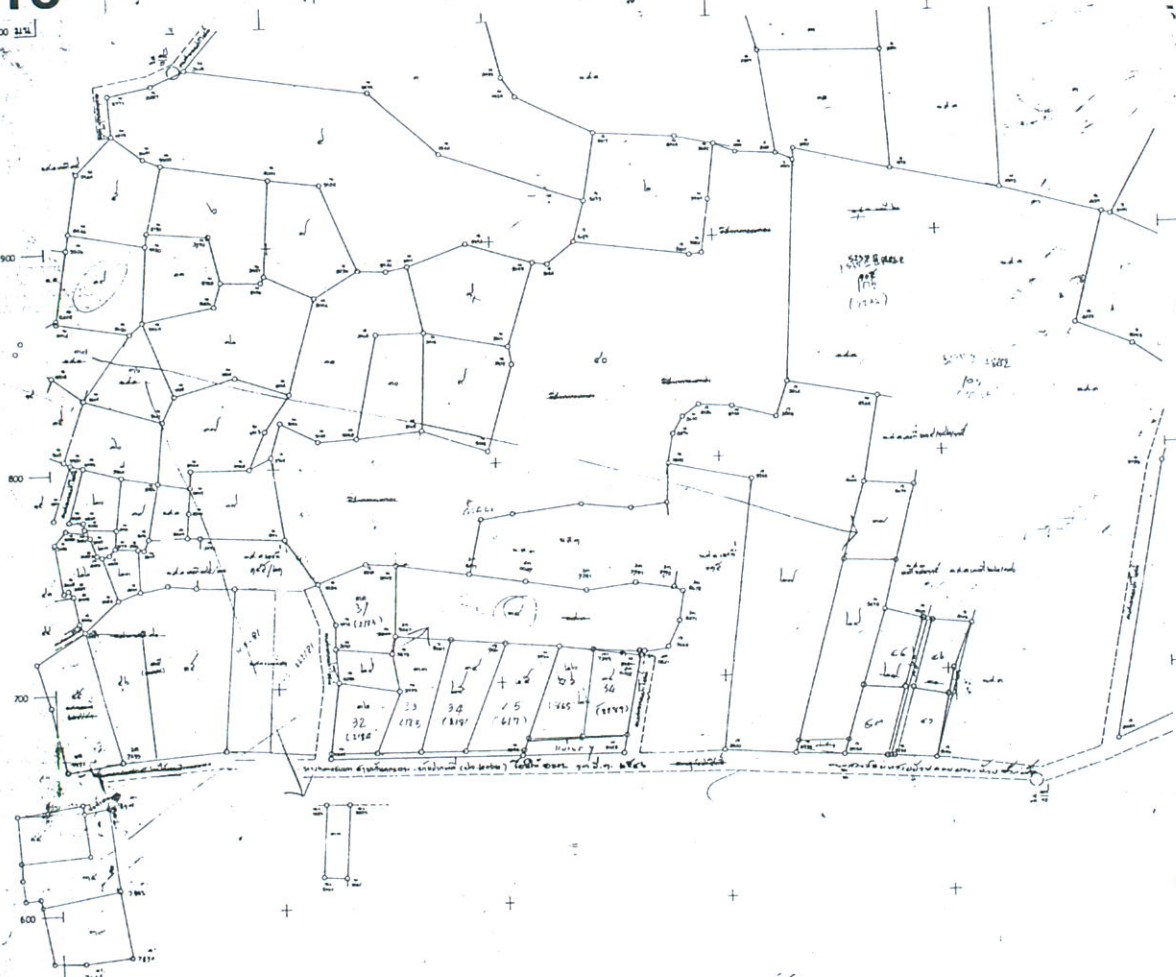


[illegible]

1564000 2174

[illegible]

ត្រង់ ៤៧



|         |      |  |
|---------|------|--|
| 1563500 | 2174 |  |
| 248000  | 218  |  |

T  
๓๐ คำบท

โคกไม้ลาย<sup>T</sup><sub>200</sub>

กรรมที่ดิน

ចាំរោង

เมืองปราจีนบุรี

มาตราส่วน ๑ : ๕๐๐๐

### คำขวัญบทร่าล้น

**ថ្នាក់ទី១**  
 កាលពីអំឡុងពេលប្រារព្ធទិវា  
 ឆ្នាំ១៩៧៥ ប្រារព្ធទិវា

7,85.00 ล้านบาท

การปฎิบัติทางคดีอาญา

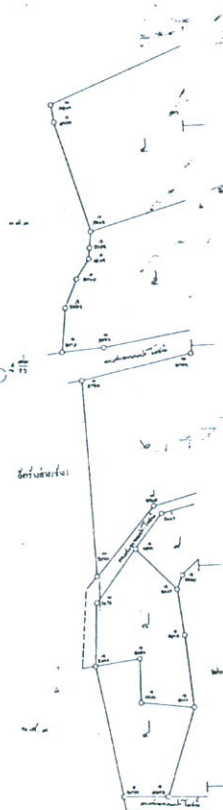
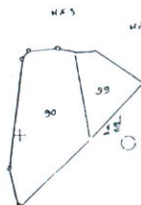
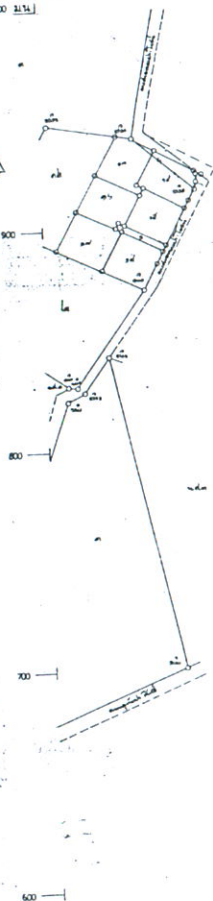
|              |              |              |
|--------------|--------------|--------------|
| คดีอาญา      | คดีอาญา      | คดีอาญา      |
| คดีอาญา - 1  | คดีอาญา - 2  | คดีอาญา - 3  |
| คดีอาญา - 4  | คดีอาญา - 5  | คดีอาญา - 6  |
| คดีอาญา - 7  | คดีอาญา - 8  | คดีอาญา - 9  |
| คดีอาญา - 10 | คดีอาญา - 11 | คดีอาญา - 12 |

[illegible]

1564000 2174

តំណ ៤៧

115


$$\begin{array}{r} 156,500 \text{ m}^2 \\ \times 8500 \text{ m}^2 \\ \hline \end{array}$$

ด้วย

โคกไม้ลาย<sup>๑๐๐</sup>

## กรรมที่ดิน

มาตราฉนวน ๑ : ๑๐๐๐

ចាំរោង

เมืองปราจีนบุรี<sup>๑๐๐</sup>

คำขวัญมหาวิทยาลัย

29000 MB

| สมการ 1        | สมการ 2        | สมการ 3        |
|----------------|----------------|----------------|
| $2x + 3y = 12$ | $4x + 5y = 20$ | $6x + 7y = 30$ |
| สมการ 1        | สมการ 2        | สมการ 3        |
| $2x + 3y = 12$ | $4x + 5y = 20$ | $6x + 7y = 30$ |
| สมการ 1        | สมการ 2        | สมการ 3        |
| $2x + 3y = 12$ | $4x + 5y = 20$ | $6x + 7y = 30$ |

[illegible]

1. Handwritten text / / and  
 2. Handwritten text / and  
 3. Handwritten text / and  
 4. Handwritten text / and  
 5. Handwritten text / and  
 6. Handwritten text / and  
 7. Handwritten text / and  
 8. Handwritten text / and  
 9. Handwritten text / and  
 10. Handwritten text / and

117

ปราจีนบุรี  
รยว 5237 II 4862-3

โซนที่ 47

564000 21.5



1543500 21.5  
783000 21.6

ตำบล โคกไม้ลาย กรมที่ดิน อำเภอ เมืองปราจีนบุรี  
มาตราส่วน ๑ : ๑๐๐๐ คำขวัญกรมที่ดิน

| การโอน | เลขที่ | พื้นที่ | ราคา |
|--------|--------|---------|------|
| โอน    | ๑      | ๑๐๐     | ๑๐๐  |
| โอน    | ๒      | ๒๐๐     | ๒๐๐  |
| โอน    | ๓      | ๓๐๐     | ๓๐๐  |
| โอน    | ๔      | ๔๐๐     | ๔๐๐  |
| โอน    | ๕      | ๕๐๐     | ๕๐๐  |
| โอน    | ๖      | ๖๐๐     | ๖๐๐  |
| โอน    | ๗      | ๗๐๐     | ๗๐๐  |
| โอน    | ๘      | ๘๐๐     | ๘๐๐  |
| โอน    | ๙      | ๙๐๐     | ๙๐๐  |
| โอน    | ๑๐     | ๑๐๐๐    | ๑๐๐๐ |

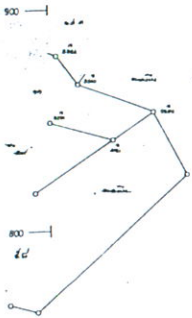
| เลขที่ | พื้นที่ | ราคา | ชื่อผู้โอน | ชื่อผู้รับโอน | วันที่โอน | สถานที่โอน | หมายเหตุ |
|--------|---------|------|------------|---------------|-----------|------------|----------|
| ๑      | ๑๐๐     | ๑๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๒      | ๒๐๐     | ๒๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๓      | ๓๐๐     | ๓๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๔      | ๔๐๐     | ๔๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๕      | ๕๐๐     | ๕๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๖      | ๖๐๐     | ๖๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๗      | ๗๐๐     | ๗๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๘      | ๘๐๐     | ๘๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๙      | ๙๐๐     | ๙๐๐  | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |
| ๑๐     | ๑๐๐๐    | ๑๐๐๐ | นาย...     | นาง...        | ...       | ...        | ...      |

1564000 21 14

□ 1/2

ໂທນທີ 47

110


$$\begin{array}{r} 1567500 \quad 1174 \\ \times 9500 \quad 118 \\ \hline \end{array}$$

ตำบล ไคไฉ่ฉาย กรมที่ดิน อำเภอ เมืองปราจีนบุรี  
มาตราส่วน ๑ : ๑๐๐๐ คำขวัญนครสวรรค์

75,000 ม.ย.  
ตามใบเสร็จวางมือ

|            |            |         |
|------------|------------|---------|
| 00000 5    | 00000 2    | 00000   |
| 00000 - 10 | 00000 - 70 | 00000 - |
| 00000 5    | 00000 5    | 00000   |
| 00000 - 5  | 00000 - 6  | 00000 - |
| 00000 5    | 00000 5    | 00000   |
| 00000 - 7  | 00000 - 6  | 00000 - |

| 1.1 |  |  |  | 1.2 |  |  |  | 1.3 |  |  |  | 1.4 |  |  |  | 1.5 |  |  |  | 1.6 |  |  |  | 1.7 |  |  |  | 1.8 |  |  |  | 1.9 |  |  |  | 2.0 |  |  |  | 2.1 |  |  |  | 2.2 |  |  |  | 2.3 |  |  |  | 2.4 |  |  |  | 2.5 |  |  |  | 2.6 |  |  |  | 2.7 |  |  |  | 2.8 |  |  |  | 2.9 |  |  |  | 3.0 |  |  |  | 3.1 |  |  |  | 3.2 |  |  |  | 3.3 |  |  |  | 3.4 |  |  |  | 3.5 |  |  |  | 3.6 |  |  |  | 3.7 |  |  |  | 3.8 |  |  |  | 3.9 |  |  |  | 4.0 |  |  |  | 4.1 |  |  |  | 4.2 |  |  |  | 4.3 |  |  |  | 4.4 |  |  |  | 4.5 |  |  |  | 4.6 |  |  |  | 4.7 |  |  |  | 4.8 |  |  |  | 4.9 |  |  |  | 5.0 |  |  |  | 5.1 |  |  |  | 5.2 |  |  |  | 5.3 |  |  |  | 5.4 |  |  |  | 5.5 |  |  |  | 5.6 |  |  |  | 5.7 |  |  |  | 5.8 |  |  |  | 5.9 |  |  |  | 6.0 |  |  |  | 6.1 |  |  |  | 6.2 |  |  |  | 6.3 |  |  |  | 6.4 |  |  |  | 6.5 |  |  |  | 6.6 |  |  |  | 6.7 |  |  |  | 6.8 |  |  |  | 6.9 |  |  |  | 7.0 |  |  |  | 7.1 |  |  |  | 7.2 |  |  |  | 7.3 |  |  |  | 7.4 |  |  |  | 7.5 |  |  |  | 7.6 |  |  |  | 7.7 |  |  |  | 7.8 |  |  |  | 7.9 |  |  |  | 8.0 |  |  |  | 8.1 |  |  |  | 8.2 |  |  |  | 8.3 |  |  |  | 8.4 |  |  |  | 8.5 |  |  |  | 8.6 |  |  |  | 8.7 |  |  |  | 8.8 |  |  |  | 8.9 |  |  |  | 9.0 |  |  |  | 9.1 |  |  |  | 9.2 |  |  |  | 9.3 |  |  |  | 9.4 |  |  |  | 9.5 |  |  |  | 9.6 |  |  |  | 9.7 |  |  |  | 9.8 |  |  |  | 9.9 |  |  |  | 10.0 |  |  |  | 10.1 |  |  |  | 10.2 |  |  |  | 10.3 |  |  |  | 10.4 |  |  |  | 10.5 |  |  |  | 10.6 |  |  |  | 10.7 |  |  |  | 10.8 |  |  |  | 10.9 |  |  |  | 11.0 |  |  |  | 11.1 |  |  |  | 11.2 |  |  |  | 11.3 |  |  |  | 11.4 |  |  |  | 11.5 |  |  |  | 11.6 |  |  |  | 11.7 |  |  |  | 11.8 |  |  |  | 11.9 |  |  |  | 12.0 |  |  |  | 12.1 |  |  |  | 12.2 |  |  |  | 12.3 |  |  |  | 12.4 |  |  |  | 12.5 |  |  |  | 12.6 |  |  |  | 12.7 |  |  |  | 12.8 |  |  |  | 12.9 |  |  |  | 13.0 |  |  |  | 13.1 |  |  |  | 13.2 |  |  |  | 13.3 |  |  |  | 13.4 |  |  |  | 13.5 |  |  |  | 13.6 |  |  |  | 13.7 |  |  |  | 13.8 |  |  |  | 13.9 |  |  |  | 14.0 |  |  |  | 14.1 |  |  |  | 14.2 |  |  |  | 14.3 |  |  |  | 14.4 |  |  |  | 14.5 |  |  |  | 14.6 |  |  |  | 14.7 |  |  |  | 14.8 |  |  |  | 14.9 |  |  |  | 15.0 |  |  |  | 15.1 |  |  |  | 15.2 |  |  |  | 15.3 |  |  |  | 15.4 |  |  |  | 15.5 |  |  |  | 15.6 |  |  |  | 15.7 |  |  |  | 15.8 |  |  |  | 15.9 |  |  |  | 16.0 |  |  |  | 16.1 |  |  |  | 16.2 |  |  |  | 16.3 |  |  |  | 16.4 |  |  |  | 16.5 |  |  |  | 16.6 |  |  |  | 16.7 |  |  |  | 16.8 |  |  |  | 16.9 |  |  |  | 17.0 |  |  |  | 17.1 |  |  |  | 17.2 |  |  |  | 17.3 |  |  |  | 17.4 |  |  |  | 17.5 |  |  |  | 17.6 |  |  |  | 17.7 |  |  |  | 17.8 |  |  |  | 17.9 |  |  |  | 18.0 |  |  |  | 18.1 |  |  |  | 18.2 |  |  |  | 18.3 |  |  |  | 18.4 |  |  |  | 18.5 |  |  |  | 18.6 |  |  |  | 18.7 |  |  |  | 18.8 |  |  |  | 18.9 |  |  |  | 19.0 |  |  |  | 19.1 |  |  |  | 19.2 |  |  |  | 19.3 |  |  |  | 19.4 |  |  |  | 19.5 |  |  |  | 19.6 |  |  |  | 19.7 |  |  |  | 19.8 |  |  |  | 19.9 |  |  |  | 20.0 |  |  |  | 20.1 |  |  |  | 20.2 |  |  |  | 20.3 |  |  |  | 20.4 |  |  |  | 20.5 |  |  |  | 20.6 |  |  |  | 20.7 |  |  |  | 20.8 |  |  |  | 20.9 |  |  |  | 21.0 |  |  |  | 21.1 |  |  |  | 21.2 |  |  |  | 21.3 |  |  |  | 21.4 |  |  |  | 21.5 |  |  |  | 21.6 |  |  |  | 21.7 |  |  |  | 21.8 |  |  |  | 21.9 |  |  |  | 22.0 |  |  |  | 22.1 |  |  |  | 22.2 |  |  |  | 22.3 |  |  |  | 22.4 |  |  |  | 22.5 |  |  |  | 22.6 |  |  |  | 22.7 |  |  |  | 22.8 |  |  |  | 22.9 |  |  |  | 23.0 |  |  |  | 23.1 |  |  |  | 23.2 |  |  |  | 23.3 |  |  |  | 23.4 |  |  |  | 23.5 |  |  |  | 23.6 |  |  |  | 23.7 |  |  |  | 23.8 |  |  |  | 23.9 |  |  |  | 24.0 |  |  |  | 24.1 |  |  |  | 24.2 |  |  |  | 24.3 |  |  |  | 24.4 |  |  |  | 24.5 |  |  |  | 24.6 |  |  |  | 24.7 |  |  |  | 24.8 |  |  |  | 24.9 |  |  |  | 25.0 |  |  |  | 25.1 |  |  |  | 25.2 |  |  |  | 25.3 |  |  |  | 25.4 |  |  |  | 25.5 |  |  |  | 25.6 |  |  |  | 25.7 |  |  |  | 25.8 |  |  |  | 25.9 |  |  |  | 26.0 |  |  |  | 26.1 |  |  |  | 26.2 |  |  |  | 26.3 |  |  |  | 26.4 |  |  |  | 26.5 |  |  |  | 26.6 |  |  |  | 26.7 |  |  |  | 26.8 |  |  |  | 26.9 |  |  |  | 27.0 |  |  |  | 27.1 |  |  |  | 27.2 |  |  |  | 27.3 |  |  |  | 27.4 |  |  |  | 27.5 |  |  |  | 27.6 |  |  |  | 27.7 |  |  |  | 27.8 |  |  |  | 27.9 |  |  |  | 28.0 |  |  |  | 28.1 |  |  |  | 28.2 |  |  |  | 28.3 |  |  |  | 28.4 |  |  |  | 28.5 |  |  |  | 28.6 |  |  |  | 28.7 |  |  |  | 28.8 |  |  |  | 28.9 |  |  |  | 29.0 |  |  |  | 29.1 |  |  |  | 29.2 |  |  |  | 29.3 |  |  |  | 29.4 |  |  |  | 29.5 |  |  |  | 29.6 |  |  |  | 29.7 |  |  |  | 29.8 |  |  |  | 29.9 |  |  |  | 30.0 |  |  |  | 30.1 |  |  |  | 30.2 |  |  |  | 30.3 |  |  |  | 30.4 |  |  |  | 30.5 |  |  |  | 30.6 |  |  |  | 30.7 |  |  |  | 30.8 |  |  |  | 30.9 |  |  |  | 31.0 |  |  |  | 31.1 |  |  |  | 31.2 |  |  |  | 31.3 |  |  |  | 31.4 |  |  |  | 31.5 |  |  |  | 31.6 |  |  |  | 31.7 |  |  |  | 31.8 |  |  |  | 31.9 |  |  |  | 32.0 |  |  |  | 32.1 |  |  |  | 32.2 |  |  |  | 32.3 |  |  |  | 32.4 |  |  |  | 32.5 |  |  |  | 32.6 |  |  |  | 32.7 |  |  |  | 32.8 |  |  |  | 32.9 |  |  |  | 33.0 |  |  |  | 33.1 |  |  |  |
|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|
|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|-----|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|

1563000 213A.]

115



อำเภอ เมืองปราจีนบุรี  
คำขวัญมรดกส่วน

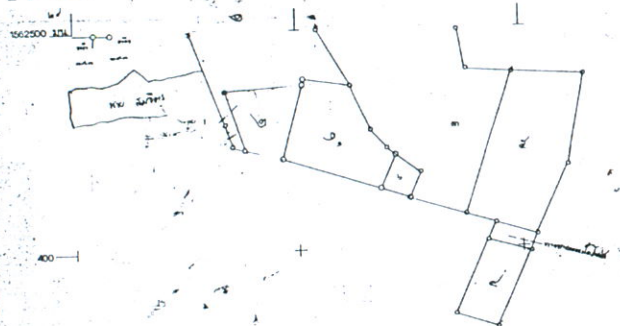
7485002.D

สารประกอบอินทรีย์

|          |          |          |
|----------|----------|----------|
| สาร 1    | สาร 2    | สาร 3    |
| 4.12 - 5 | 4.12 - 5 | 4.12 - 5 |
| สาร 4    | สาร 5    | สาร 6    |
| 4.12 - 5 | 4.12 - 5 | 4.12 - 5 |
| สาร 7    | สาร 8    | สาร 9    |
| 4.12 - 5 | 4.12 - 5 | 4.12 - 5 |

| 2020 |  |  | 2021 |  |  | 2022 |  |  | 2023 |  |  | 2024 |  |  | 2025 |  |  | 2026 |  |  | 2027 |  |  | 2028 |  |  | 2029 |  |  | 2030 |  |  | 2031 |  |  | 2032 |  |  | 2033 |  |  | 2034 |  |  | 2035 |  |  | 2036 |  |  | 2037 |  |  | 2038 |  |  | 2039 |  |  | 2040 |  |  | 2041 |  |  | 2042 |  |  | 2043 |  |  | 2044 |  |  | 2045 |  |  | 2046 |  |  | 2047 |  |  | 2048 |  |  | 2049 |  |  | 2050 |  |  | 2051 |  |  | 2052 |  |  | 2053 |  |  | 2054 |  |  | 2055 |  |  | 2056 |  |  | 2057 |  |  | 2058 |  |  | 2059 |  |  | 2060 |  |  | 2061 |  |  | 2062 |  |  | 2063 |  |  | 2064 |  |  | 2065 |  |  | 2066 |  |  | 2067 |  |  | 2068 |  |  | 2069 |  |  | 2070 |  |  | 2071 |  |  | 2072 |  |  | 2073 |  |  | 2074 |  |  | 2075 |  |  | 2076 |  |  | 2077 |  |  | 2078 |  |  | 2079 |  |  | 2080 |  |  | 2081 |  |  | 2082 |  |  | 2083 |  |  | 2084 |  |  | 2085 |  |  | 2086 |  |  | 2087 |  |  | 2088 |  |  | 2089 |  |  | 2090 |  |  | 2091 |  |  | 2092 |  |  | 2093 |  |  | 2094 |  |  | 2095 |  |  | 2096 |  |  | 2097 |  |  | 2098 |  |  | 2099 |  |  | 2100 |  |  | 2101 |  |  | 2102 |  |  | 2103 |  |  | 2104 |  |  | 2105 |  |  | 2106 |  |  | 2107 |  |  | 2108 |  |  | 2109 |  |  | 2110 |  |  | 2111 |  |  | 2112 |  |  | 2113 |  |  | 2114 |  |  | 2115 |  |  | 2116 |  |  | 2117 |  |  | 2118 |  |  | 2119 |  |  | 2120 |  |  | 2121 |  |  | 2122 |  |  | 2123 |  |  | 2124 |  |  | 2125 |  |  | 2126 |  |  | 2127 |  |  | 2128 |  |  | 2129 |  |  | 2130 |  |  | 2131 |  |  | 2132 |  |  | 2133 |  |  | 2134 |  |  | 2135 |  |  | 2136 |  |  | 2137 |  |  | 2138 |  |  | 2139 |  |  | 2140 |  |  | 2141 |  |  | 2142 |  |  | 2143 |  |  | 2144 |  |  | 2145 |  |  | 2146 |  |  | 2147 |  |  | 2148 |  |  | 2149 |  |  | 2150 |  |  | 2151 |  |  | 2152 |  |  | 2153 |  |  | 2154 |  |  | 2155 |  |  | 2156 |  |  | 2157 |  |  | 2158 |  |  | 2159 |  |  | 2160 |  |  | 2161 |  |  | 2162 |  |  | 2163 |  |  | 2164 |  |  | 2165 |  |  | 2166 |  |  | 2167 |  |  | 2168 |  |  | 2169 |  |  | 2170 |  |  | 2171 |  |  | 2172 |  |  | 2173 |  |  | 2174 |  |  | 2175 |  |  | 2176 |  |  | 2177 |  |  | 2178 |  |  | 2179 |  |  | 2180 |  |  | 2181 |  |  | 2182 |  |  | 2183 |  |  | 2184 |  |  | 2185 |  |  | 2186 |  |  | 2187 |  |  | 2188 |  |  | 2189 |  |  | 2190 |  |  | 2191 |  |  | 2192 |  |  | 2193 |  |  | 2194 |  |  | 2195 |  |  | 2196 |  |  | 2197 |  |  | 2198 |  |  | 2199 |  |  | 2200 |  |  | 2201 |  |  | 2202 |  |  | 2203 |  |  | 2204 |  |  | 2205 |  |  | 2206 |  |  | 2207 |  |  | 2208 |  |  | 2209 |  |  | 2210 |  |  | 2211 |  |  | 2212 |  |  | 2213 |  |  | 2214 |  |  | 2215 |  |  | 2216 |  |  | 2217 |  |  | 2218 |  |  | 2219 |  |  | 2220 |  |  | 2221 |  |  | 2222 |  |  | 2223 |  |  | 2224 |  |  | 2225 |  |  | 2226 |  |  | 2227 |  |  | 2228 |  |  | 2229 |  |  | 2230 |  |  | 2231 |  |  | 2232 |  |  | 2233 |  |  | 2234 |  |  | 2235 |  |  | 2236 |  |  | 2237 |  |  | 2238 |  |  | 2239 |  |  | 2240 |  |  | 2241 |  |  | 2242 |  |  | 2243 |  |  | 2244 |  |  | 2245 |  |  | 2246 |  |  | 2247 |  |  | 2248 |  |  | 2249 |  |  | 2250 |  |  | 2251 |  |  | 2252 |  |  | 2253 |  |  | 2254 |  |  | 2255 |  |  | 2256 |  |  | 2257 |  |  | 2258 |  |  | 2259 |  |  | 2260 |  |  | 2261 |  |  | 2262 |  |  | 2263 |  |  | 2264 |  |  | 2265 |  |  | 2266 |  |  | 2267 |  |  | 2268 |  |  | 2269 |  |  | 2270 |  |  | 2271 |  |  | 2272 |  |  | 2273 |  |  | 2274 |  |  | 2275 |  |  | 2276 |  |  | 2277 |  |  | 2278 |  |  | 2279 |  |  | 2280 |  |  | 2281 |  |  | 2282 |  |  | 2283 |  |  | 2284 |  |  | 2285 |  |  | 2286 |  |  | 2287 |  |  | 2288 |  |  | 2289 |  |  | 2290 |  |  | 2291 |  |  | 2292 |  |  | 2293 |  |  | 2294 |  |  | 2295 |  |  | 2296 |  |  | 2297 |  |  | 2298 |  |  | 2299 |  |  | 2300 |  |  | 2301 |  |  | 2302 |  |  | 2303 |  |  | 2304 |  |  | 2305 |  |  | 2306 |  |  | 2307 |  |  | 2308 |  |  | 2309 |  |  | 2310 |  |  | 2311 |  |  | 2312 |  |  | 2313 |  |  | 2314 |  |  | 2315 |  |  | 2316 |  |  | 2317 |  |  | 2318 |  |  | 2319 |  |  | 2320 |  |  | 2321 |  |  | 2322 |  |  | 2323 |  |  | 2324 |  |  | 2325 |  |  | 2326 |  |  | 2327 |  |  | 2328 |  |  | 2329 |  |  | 2330 |  |  | 2331 |  |  | 2332 |  |  | 2333 |  |  |
|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|
|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|------|--|--|

ปราจีนบุรี  
รจ ๖๑ ๕๒๓๗ II ๔๘๖๒ - ๑๓



400

300—

200 —

100

$$\begin{array}{r} -1562000 \text{ MN} \\ 748000 \text{ MN} \\ \hline \end{array}$$

คำบด โคกไม้ลาย กรมที่ดิน อำเภอ เมืองปราจีนบุรี  
มาตราส่วน ๑: ๑๐๐๐ คำขวัญคุณตราส่วน

การปฎิบัติทางสังคม

|           |           |           |
|-----------|-----------|-----------|
| 6437 I    | 3437 II   | 3437 III  |
| 6437 - 12 | 6437 - 9  | 6437 - 10 |
| 3437 I    | 5437 II   | 7437 III  |
| 6437 - 14 | 6437 - 15 | 6437 - 16 |
| 6437 I    | 6437 II   | 6437 III  |
| 6437 - 4  | 6437 - 5  | 6437 - 6  |

[illegible]



ตำบล โดกไม้ตาย<sup>800</sup> กรมที่ดิน<sup>700</sup> อำเภอ เมืองปราจีนบุรี<sup>800</sup>  
มาตราส่วน ๑ : ๕๐๐๐ คำควบคุมมาตราส่วน ๑:๐๐๐๗๗

|        |        |        |
|--------|--------|--------|
| 523711 | 523711 | 523711 |
| 4666   | 4866   | 5066   |
| 523711 | 523711 | 523711 |
| 4664   | 4864   | 5064   |
| 523711 | 523711 | 523711 |
| 4662   | 4862   | 5062   |

| sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk | sorten | Stk |
|--------|-----|--------|-----|--------|-----|--------|-----|--------|-----|--------|-----|--------|-----|--------|-----|--------|-----|--------|-----|
| 1      | 100 | 2      | 100 | 3      | 100 | 4      | 100 | 5      | 100 | 6      | 100 | 7      | 100 | 8      | 100 | 9      | 100 | 10     | 100 |
| 11     | 100 | 12     | 100 | 13     | 100 | 14     | 100 | 15     | 100 | 16     | 100 | 17     | 100 | 18     | 100 | 19     | 100 | 20     | 100 |
| 21     | 100 | 22     | 100 | 23     | 100 | 24     | 100 | 25     | 100 | 26     | 100 | 27     | 100 | 28     | 100 | 29     | 100 | 30     | 100 |
| 31     | 100 | 32     | 100 | 33     | 100 | 34     | 100 | 35     | 100 | 36     | 100 | 37     | 100 | 38     | 100 | 39     | 100 | 40     | 100 |
| 41     | 100 | 42     | 100 | 43     | 100 | 44     | 100 | 45     | 100 | 46     | 100 | 47     | 100 | 48     | 100 | 49     | 100 | 50     | 100 |
| 51     | 100 | 52     | 100 | 53     | 100 | 54     | 100 | 55     | 100 | 56     | 100 | 57     | 100 | 58     | 100 | 59     | 100 | 60     | 100 |
| 61     | 100 | 62     | 100 | 63     | 100 | 64     | 100 | 65     | 100 | 66     | 100 | 67     | 100 | 68     | 100 | 69     | 100 | 70     | 100 |
| 71     | 100 | 72     | 100 | 73     | 100 | 74     | 100 | 75     | 100 | 76     | 100 | 77     | 100 | 78     | 100 | 79     | 100 | 80     | 100 |
| 81     | 100 | 82     | 100 | 83     | 100 | 84     | 100 | 85     | 100 | 86     | 100 | 87     | 100 | 88     | 100 | 89     | 100 | 90     | 100 |
| 91     | 100 | 92     | 100 | 93     | 100 | 94     | 100 | 95     | 100 | 96     | 100 | 97     | 100 | 98     | 100 | 99     | 100 | 100    | 100 |

**ปราจีนบุรี**

**รจ ๖๑** 5237 II 4864 - 2

126

1,500 000 1124.

900

600

700

60

1 566 500 1134

74.8 500 21.0.

60

คำบถโคกไม้ตาย

กรมที่ดิน  
มาตราส่วน ๑:๕๐๐๐

60

อำเภอเมืองปราจีนบุรี

คำขวัญกรมการช่าง

စီမံကိန်း  
စီမံကိန်းနှင့် အခြား  
အခြား အခြား

สารปฏิกิริยา: 7700-0000

|          |          |          |
|----------|----------|----------|
| 5237-1   | 5237-2   | 5237-3   |
| 5237-4   | 5237-5   | 5237-6   |
| 5237-7   | 5237-8   | 5237-9   |
| 5237-10  | 5237-11  | 5237-12  |
| 5237-13  | 5237-14  | 5237-15  |
| 5237-16  | 5237-17  | 5237-18  |
| 5237-19  | 5237-20  | 5237-21  |
| 5237-22  | 5237-23  | 5237-24  |
| 5237-25  | 5237-26  | 5237-27  |
| 5237-28  | 5237-29  | 5237-30  |
| 5237-31  | 5237-32  | 5237-33  |
| 5237-34  | 5237-35  | 5237-36  |
| 5237-37  | 5237-38  | 5237-39  |
| 5237-40  | 5237-41  | 5237-42  |
| 5237-43  | 5237-44  | 5237-45  |
| 5237-46  | 5237-47  | 5237-48  |
| 5237-49  | 5237-50  | 5237-51  |
| 5237-52  | 5237-53  | 5237-54  |
| 5237-55  | 5237-56  | 5237-57  |
| 5237-58  | 5237-59  | 5237-60  |
| 5237-61  | 5237-62  | 5237-63  |
| 5237-64  | 5237-65  | 5237-66  |
| 5237-67  | 5237-68  | 5237-69  |
| 5237-70  | 5237-71  | 5237-72  |
| 5237-73  | 5237-74  | 5237-75  |
| 5237-76  | 5237-77  | 5237-78  |
| 5237-79  | 5237-80  | 5237-81  |
| 5237-82  | 5237-83  | 5237-84  |
| 5237-85  | 5237-86  | 5237-87  |
| 5237-88  | 5237-89  | 5237-90  |
| 5237-91  | 5237-92  | 5237-93  |
| 5237-94  | 5237-95  | 5237-96  |
| 5237-97  | 5237-98  | 5237-99  |
| 5237-100 | 5237-101 | 5237-102 |
| 5237-103 | 5237-104 | 5237-105 |
| 5237-106 | 5237-107 | 5237-108 |
| 5237-109 | 5237-110 | 5237-111 |
| 5237-112 | 5237-113 | 5237-114 |
| 5237-115 | 5237-116 | 5237-117 |
| 5237-118 | 5237-119 | 5237-120 |
| 5237-121 | 5237-122 | 5237-123 |
| 5237-124 | 5237-125 | 5237-126 |
| 5237-127 | 5237-128 | 5237-129 |
| 5237-130 | 5237-131 | 5237-132 |
| 5237-133 | 5237-134 | 5237-135 |
| 5237-136 | 5237-137 | 5237-138 |
| 5237-139 | 5237-140 | 5237-141 |
| 5237-142 | 5237-143 | 5237-144 |
| 5237-145 | 5237-146 | 5237-147 |
| 5237-148 | 5237-149 | 5237-150 |
| 5237-151 | 5237-152 | 5237-153 |
| 5237-154 | 5237-155 | 5237-156 |
| 5237-157 | 5237-158 | 5237-159 |
| 5237-160 | 5237-161 | 5237-162 |
| 5237-163 | 5237-164 | 5237-165 |
| 5237-166 | 5237-167 | 5237-168 |
| 5237-169 | 5237-170 | 5237-171 |
| 5237-172 | 5237-173 | 5237-174 |
| 5237-175 | 5237-176 | 5237-177 |
| 5237-178 | 5237-179 | 5237-180 |
| 5237-181 | 5237-182 | 5237-183 |
| 5237-184 | 5237-185 | 5237-186 |
| 5237-187 | 5237-188 | 5237-189 |
| 5237-190 | 5237-191 | 5237-192 |
| 5237-193 | 5237-194 | 5237-195 |
| 5237-196 | 5237-197 | 5237-198 |
| 5237-199 | 5237-200 | 5237-201 |
| 5237-202 | 5237-203 | 5237-204 |
| 5237-205 | 5237-206 | 5237-207 |
| 5237-208 | 5237-209 | 5237-210 |
| 5237-211 | 5237-212 | 5237-213 |
| 5237-214 | 5237-215 | 5237-216 |
| 5237-217 | 5237-218 | 5237-219 |
| 5237-220 | 5237-221 | 5237-222 |
| 5237-223 | 5237-224 | 5237-225 |
| 5237-226 | 5237-227 | 5237-228 |
| 5237-229 | 5237-230 | 5237-231 |
| 5237-232 | 5237-233 | 5237-234 |
| 5237-235 | 5237-236 | 5237-237 |
| 5237-238 | 5237-239 | 5237-240 |
| 5237-241 | 5237-242 | 5237-243 |
| 5237-244 | 5237-245 | 5237-246 |
| 5237-247 | 5237-248 | 5237-249 |
| 5237-250 | 5237-251 | 5237-252 |
| 5237-253 | 5237-254 | 5237-255 |
| 5237-256 | 5237-257 | 5237-258 |
| 5237-259 | 5237-260 | 5237-261 |
| 5237-262 | 5237-263 | 5237-264 |
| 5237-265 | 5237-266 | 5237-267 |
| 5237-268 | 5237-269 | 5237-270 |
| 5237-271 | 5237-272 | 5237-273 |
| 5237-274 | 5237-275 | 5237-276 |
| 5237-277 | 5237-278 | 5237-279 |
| 5237-280 | 5237-281 | 5237-282 |
| 5237-283 | 5237-284 | 5237-285 |
| 5237-286 | 5237-287 | 5237-288 |
| 5237-289 | 5237-290 | 5237-291 |
| 52       |          |          |

[illegible]

ปราจีนบุรี  
รช ๖๖ ๕๒๓๗ II ๔๘๖๔ - ๓

16



ตำบลดอกไม้ลาย

## กรรมที่ดิน

อำเภอเมืองปราจีนบุรี

มาตราส่วน ๑ : ๑๐๐๐

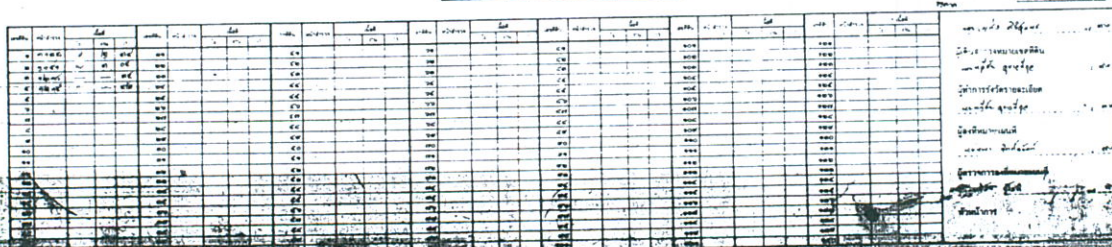
คำขวัญมหัศจรรย์

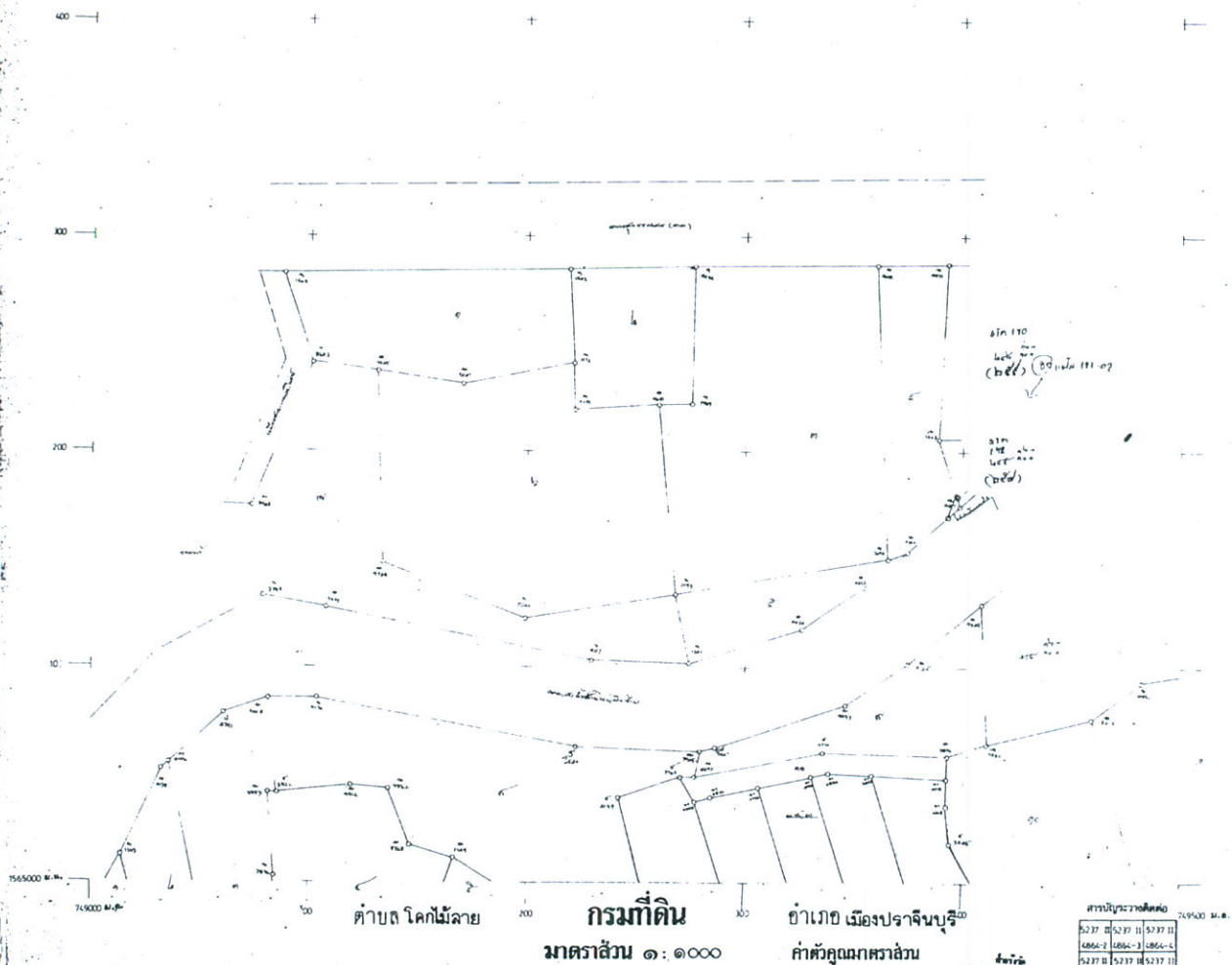
การวัดความยาวคลื่น

749 500 Å

|         |         |         |
|---------|---------|---------|
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4866-14 | 4866-15 | 4866-16 |
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4866-2  | 4866-3  | 4866-4  |
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4866-6  | 4866-7  | 4866-8  |

[illegible]



[illegible]

ปราจีนบุรี  
รช ๖๖ ๕๒๓๗ II ๔๘๖๔ - ๘

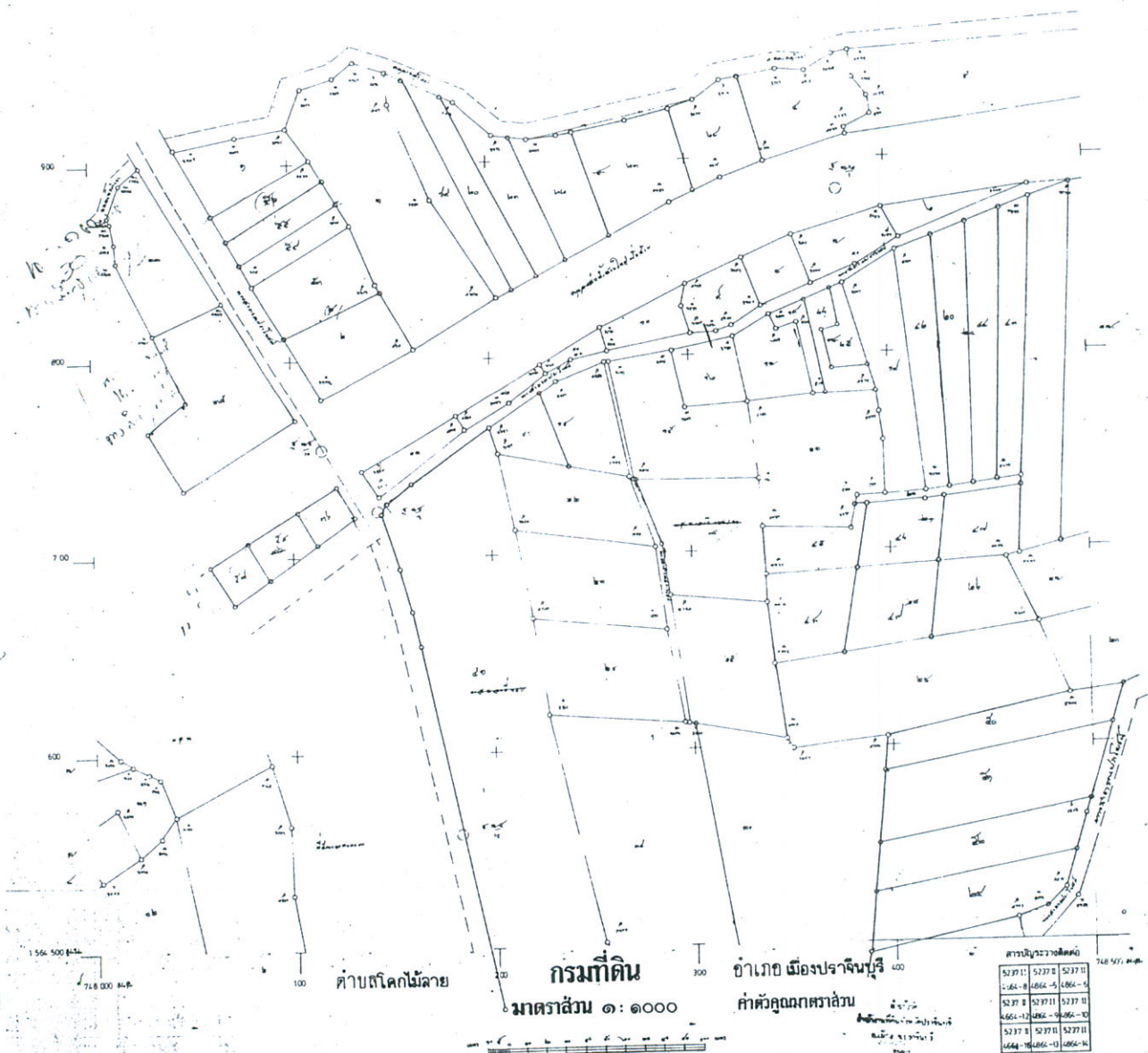
120

กรมที่ดิน  
มาตรา ๑๑๐๐

อำเภอ เมืองปราจีนบุรี  
คำขวัญมรดกล้าน

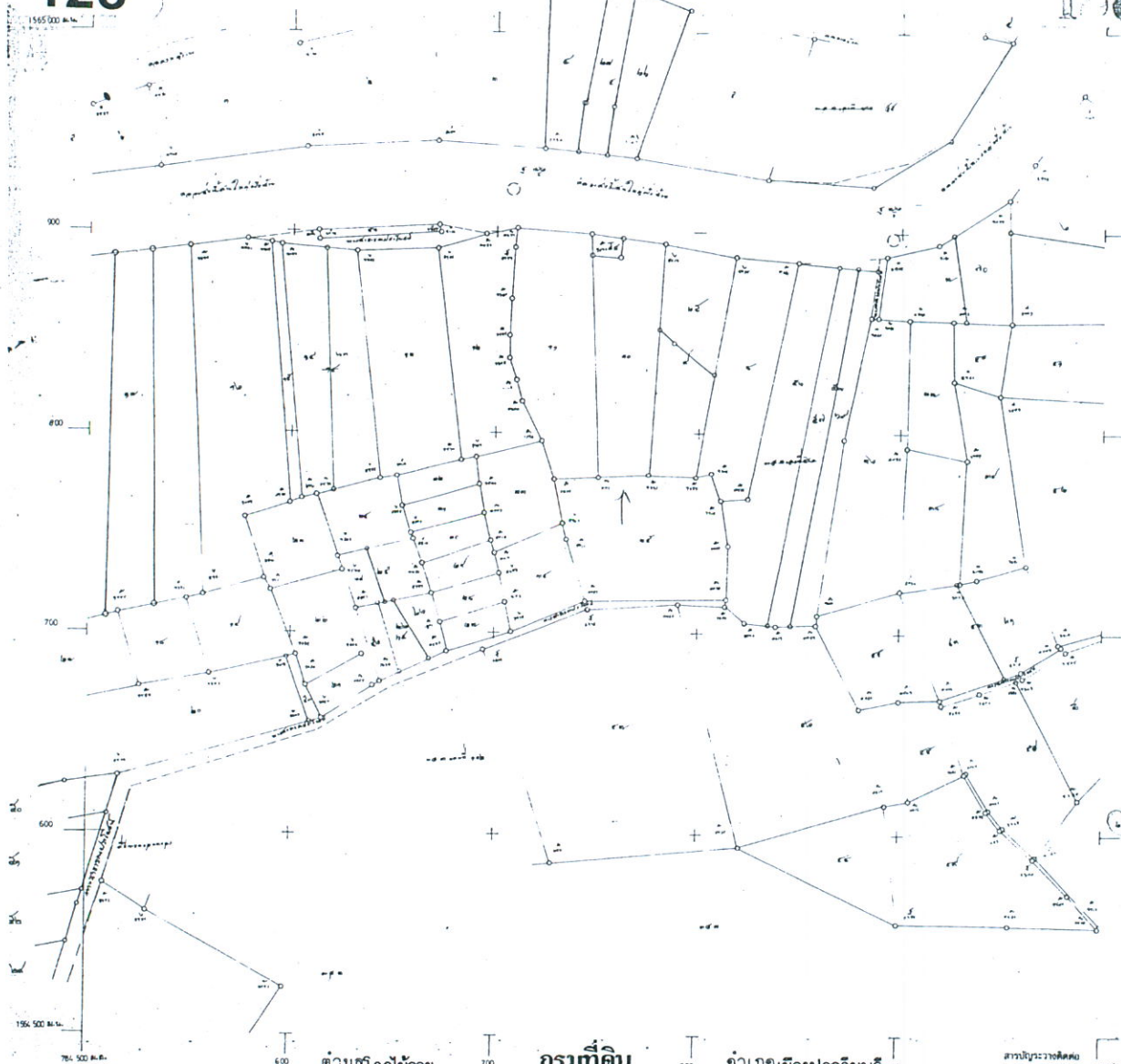
| 5237 II | 5237 I  | 5237 II |
|---------|---------|---------|
| 4864-3  | 4864-4  | 5064-3  |
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4864-7  | 4864-8  | 4864-5  |
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4864-11 | 4864-12 | 5064-9  |

[illegible]

[illegible]

**ปราจีนบุรี**  
**ร.ว.จ. 5237 II 4864 - 10**

128



คำบัพโลกไม่ตาย

**กรรมที่ดิน**

อำเภอเมืองปราชินบุรี ๑๐๑

มาตราลั้ว ๑ : ๑๐๐๐

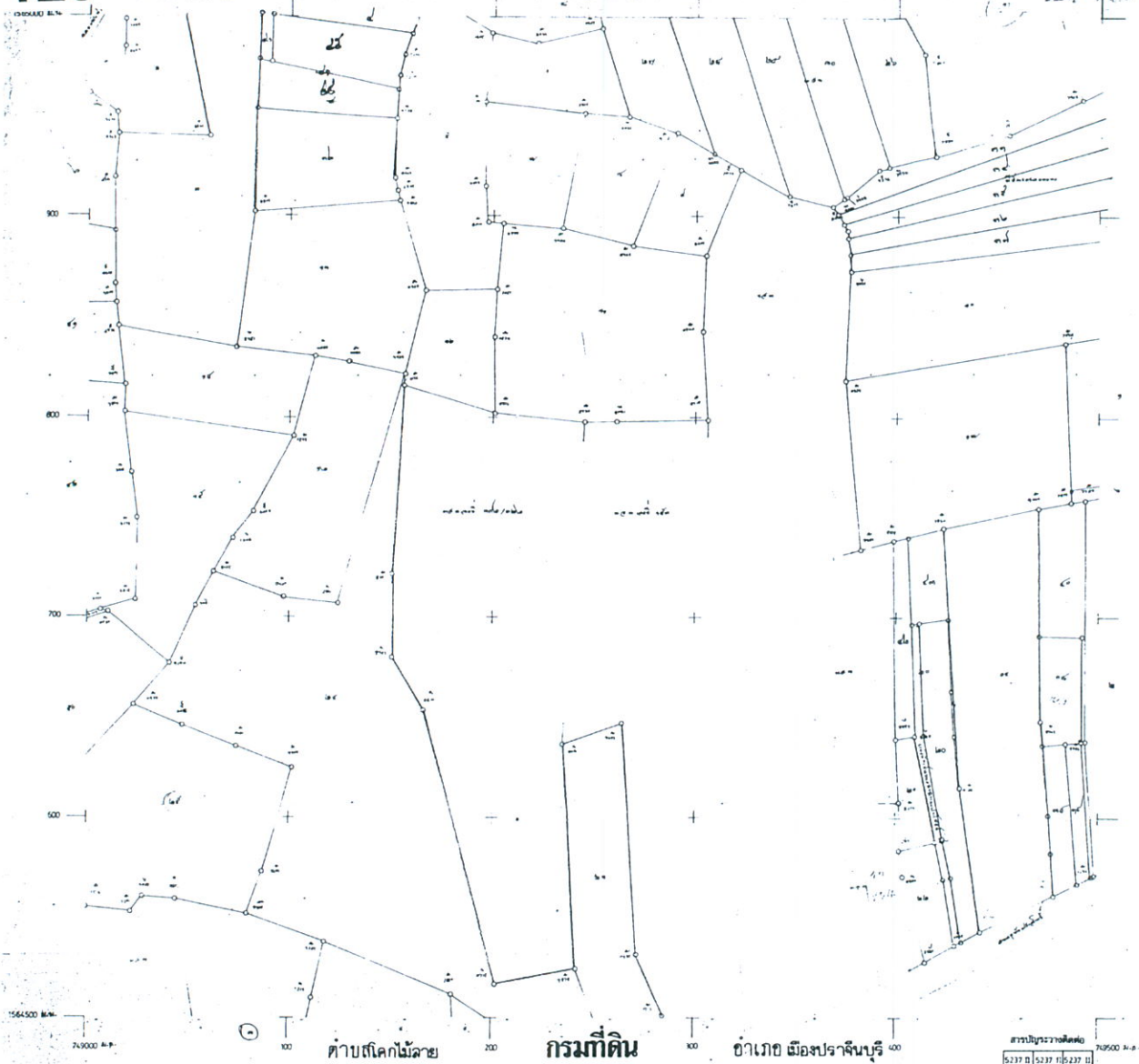
### คำขวัญมาตรฐาน

สารปฏิกิริยาข้างเคียง

789 000 24-8

๑. ๒๖/๖/๖๖  
 ๒. ๒๖/๖/๖๖  
 ๓. ๒๖/๖/๖๖

[illegible]



ตำบตโคกไผ่ลาย

## กรรมที่ดิน

มาตราส่วน ๑:๑๐๐๐

อำเภอ เมืองปราจีนบุรี

### คำขวัญมหาวิทยาลัย

### การปฎิบัติทางสังคม

|        |        |        |
|--------|--------|--------|
| 5237 n | 5237 f | 5237 l |
|--------|--------|--------|

|        |        |        |
|--------|--------|--------|
| 4862-6 | 4862-7 | 4862-8 |
|--------|--------|--------|

|         |         |         |
|---------|---------|---------|
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| LB64-10 | LB64-11 | LB64-12 |

|         |          |         |
|---------|----------|---------|
| 5237 II | 5237 III | 5237 IV |
|---------|----------|---------|

|         |         |         |
|---------|---------|---------|
| 4854-14 | 4854-15 | 4854-16 |
|---------|---------|---------|

[illegible]

1565000 4444

16



$156,500 \text{ kg}$   
 $29,500 \text{ kg}$

คำบถ โศกไม่ลาย

## กรรมที่ดิน

มาตราส่วน ๑ : ๑๐๐๐

อำเภอ เมืองปราจีนบุรี<sup>๔๐</sup>

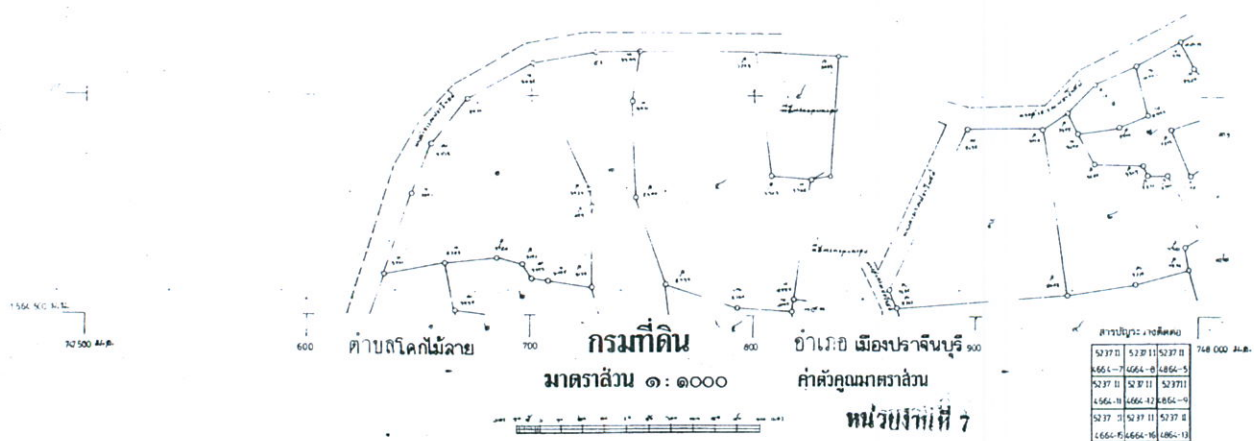
คำขวัญมหาสง่า

การปฏิรูประวางที่ดิน

|         |         |         |
|---------|---------|---------|
| 5237-7  | 5237-8  | 5237-9  |
| 4864-7  | 4864-8  | 5064-5  |
| 5237-10 | 5237-11 | 5237-12 |
| 4864-11 | 4864-12 | 5064-9  |
| 5237-13 | 5237-14 | 5237-15 |
| 4864-15 | 4864-16 | 5064-13 |

[illegible]

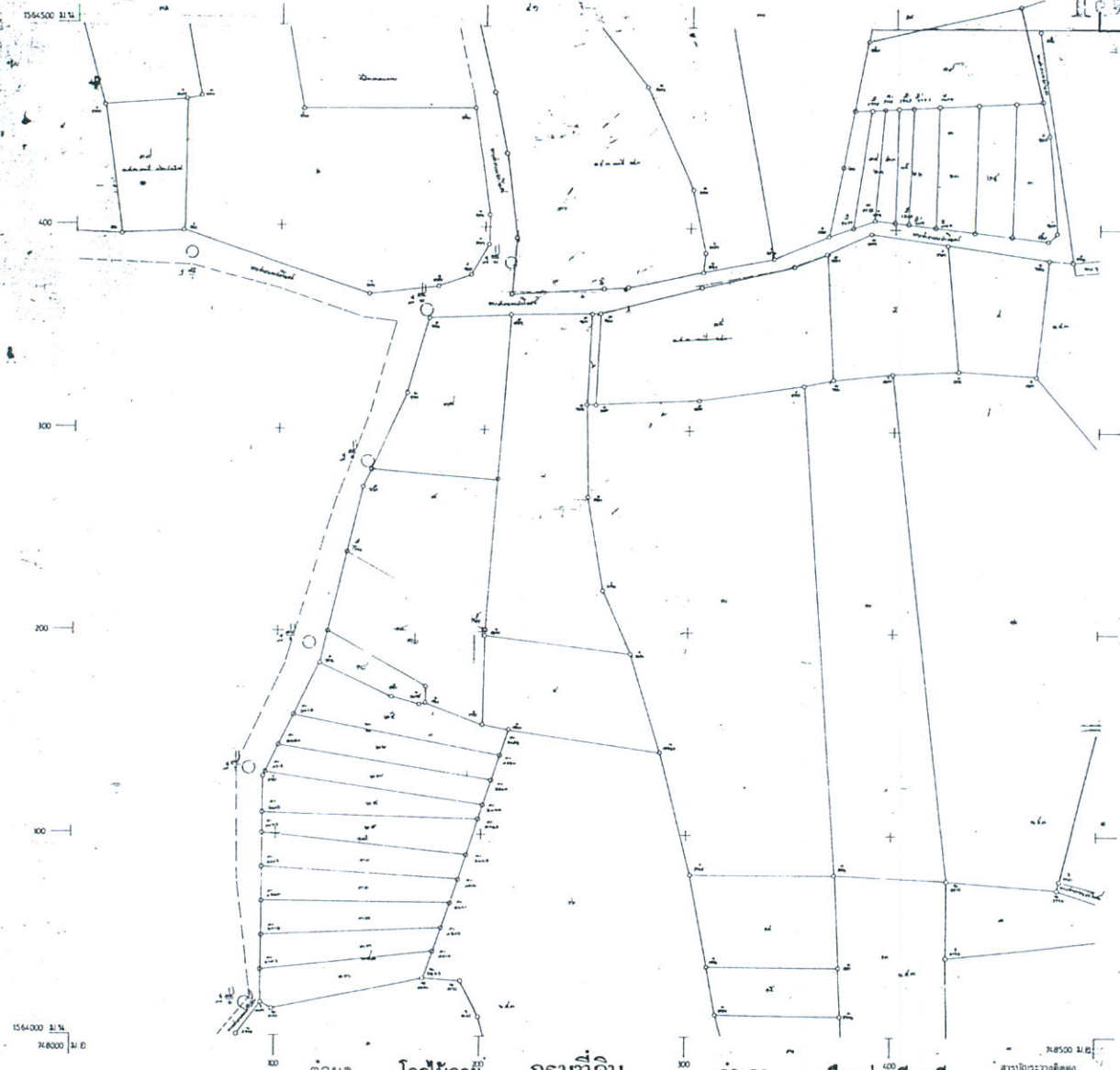
## 2

[illegible]

131

ปราจีนบุรี  
รย ๖๖ 5237 II 4864 - 13

131



ตำบล

โคกไม้ลาย

กรมที่ดิน

อำเภอ

เมืองปราจีนบุรี

มาตราส่วน ๑ : ๑๐๐๐

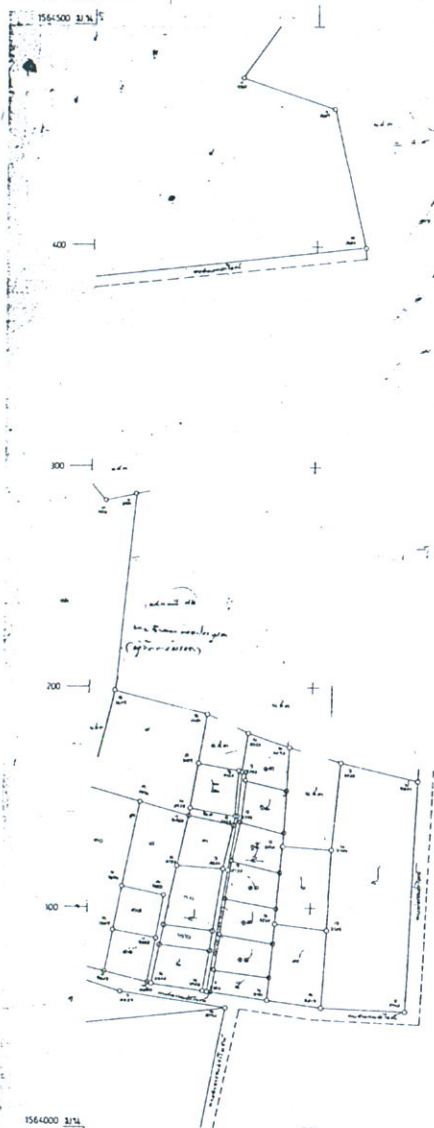
คำขวัญนครสวรรค์

สารบัญระวางที่ดิน

|          |          |          |
|----------|----------|----------|
| หน้า ๑   | หน้า ๒   | หน้า ๓   |
| หน้า ๔   | หน้า ๕   | หน้า ๖   |
| หน้า ๗   | หน้า ๘   | หน้า ๙   |
| หน้า ๑๐  | หน้า ๑๑  | หน้า ๑๒  |
| หน้า ๑๓  | หน้า ๑๔  | หน้า ๑๕  |
| หน้า ๑๖  | หน้า ๑๗  | หน้า ๑๘  |
| หน้า ๑๙  | หน้า ๒๐  | หน้า ๒๑  |
| หน้า ๒๒  | หน้า ๒๓  | หน้า ๒๔  |
| หน้า ๒๕  | หน้า ๒๖  | หน้า ๒๗  |
| หน้า ๒๘  | หน้า ๒๙  | หน้า ๓๐  |
| หน้า ๓๑  | หน้า ๓๒  | หน้า ๓๓  |
| หน้า ๓๔  | หน้า ๓๕  | หน้า ๓๖  |
| หน้า ๓๗  | หน้า ๓๘  | หน้า ๓๙  |
| หน้า ๔๐  | หน้า ๔๑  | หน้า ๔๒  |
| หน้า ๔๓  | หน้า ๔๔  | หน้า ๔๕  |
| หน้า ๔๖  | หน้า ๔๗  | หน้า ๔๘  |
| หน้า ๔๙  | หน้า ๕๐  | หน้า ๕๑  |
| หน้า ๕๒  | หน้า ๕๓  | หน้า ๕๔  |
| หน้า ๕๕  | หน้า ๕๖  | หน้า ๕๗  |
| หน้า ๕๘  | หน้า ๕๙  | หน้า ๖๐  |
| หน้า ๖๑  | หน้า ๖๒  | หน้า ๖๓  |
| หน้า ๖๔  | หน้า ๖๕  | หน้า ๖๖  |
| หน้า ๖๗  | หน้า ๖๘  | หน้า ๖๙  |
| หน้า ๗๐  | หน้า ๗๑  | หน้า ๗๒  |
| หน้า ๗๓  | หน้า ๗๔  | หน้า ๗๕  |
| หน้า ๗๖  | หน้า ๗๗  | หน้า ๗๘  |
| หน้า ๗๙  | หน้า ๘๐  | หน้า ๘๑  |
| หน้า ๘๒  | หน้า ๘๓  | หน้า ๘๔  |
| หน้า ๘๕  | หน้า ๘๖  | หน้า ๘๗  |
| หน้า ๘๘  | หน้า ๘๙  | หน้า ๙๐  |
| หน้า ๙๑  | หน้า ๙๒  | หน้า ๙๓  |
| หน้า ๙๔  | หน้า ๙๕  | หน้า ๙๖  |
| หน้า ๙๗  | หน้า ๙๘  | หน้า ๙๙  |
| หน้า ๑๐๐ | หน้า ๑๐๑ | หน้า ๑๐๒ |

| เลขที่ | ชื่อ | เนื้อที่ | ราคา | รวม | หมายเหตุ |
|--------|------|----------|------|-----|----------|
| ๑      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙      | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๒๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๓๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๔๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๕๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๖๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๗๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๘๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๐     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๑     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๒     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๓     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๔     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๕     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๖     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๗     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๘     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๙๙     | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |
| ๑๐๐    | ...  | ...      | ...  | ... | ...      |

ปราจีนบุรี  
ธันวาคม ๕๒๓๗ II ๔๘๖๔ - ๑๔



คำขบถ

โคกไม้ลาย

กรรมที่ฉัน

ចាំបាច់

เมืองปราจีนบุรี

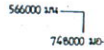
มาตราส่วน ๑ : ๕๐๐๐

### คำขวัญกรมการขนส่ง

| Date |            | Time |      | Location |      | Weather |      | Wind |      | Sea  |      | Visibility |      | Temperature |      | Humidity |      | Pressure |      | Remarks |      |      |
|------|------------|------|------|----------|------|---------|------|------|------|------|------|------------|------|-------------|------|----------|------|----------|------|---------|------|------|
| 1    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 2    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 3    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 4    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 5    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 6    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 7    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 8    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 9    | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 10   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 11   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 12   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 13   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 14   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 15   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 16   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 | 1105 | 1120       | 1135 | 1150        | 1165 | 1180     | 1195 | 1210     | 1225 | 1240    | 1255 | 1310 |
| 17   | 10/10/1961 | 0800 | 0815 | 1000     | 1015 | 1030    | 1045 | 1060 | 1075 | 1090 |      |            |      |             |      |          |      |          |      |         |      |      |

1568000 274.5

5237 II 4866



มาตราส่วน ๑ : ๔๐๐๐

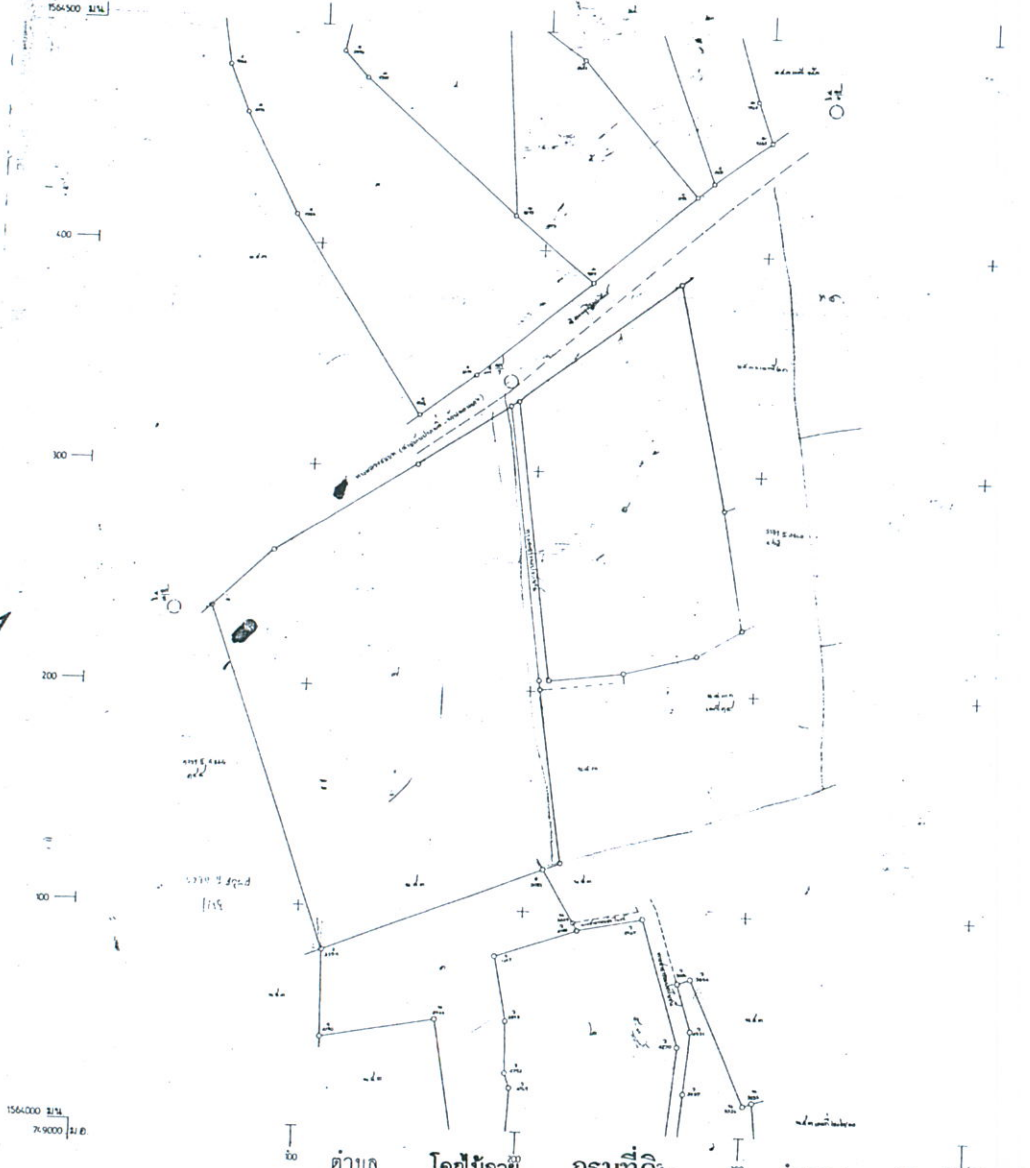
|         |         |         |
|---------|---------|---------|
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4668    | 4668    | 5008    |
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4666    | 4666    | 5066    |
| 5237 II | 5237 II | 5237 II |
| 4664    | 4664    | 5064    |

[illegible]

133

ปราจีนบุรี  
รยว 5237 II 4864 - 15

133



156,000 ม.ก.  
7,9000 ม.ก.

ตำบล โคกไม้ลาย กรมที่ดิน อำเภอ เมืองปราจีนบุรี  
มาตราส่วน ๑ : ๑๐๐๐

N9500 ม.ก.

|            |            |            |
|------------|------------|------------|
| พื้นที่ ๑  | พื้นที่ ๒  | พื้นที่ ๓  |
| พื้นที่ ๔  | พื้นที่ ๕  | พื้นที่ ๖  |
| พื้นที่ ๗  | พื้นที่ ๘  | พื้นที่ ๙  |
| พื้นที่ ๑๐ | พื้นที่ ๑๑ | พื้นที่ ๑๒ |
| พื้นที่ ๑๓ | พื้นที่ ๑๔ | พื้นที่ ๑๕ |
| พื้นที่ ๑๖ | พื้นที่ ๑๗ | พื้นที่ ๑๘ |
| พื้นที่ ๑๙ | พื้นที่ ๒๐ | พื้นที่ ๒๑ |
| พื้นที่ ๒๒ | พื้นที่ ๒๓ | พื้นที่ ๒๔ |
| พื้นที่ ๒๕ | พื้นที่ ๒๖ | พื้นที่ ๒๗ |
| พื้นที่ ๒๘ | พื้นที่ ๒๙ | พื้นที่ ๓๐ |

| พื้นที่ |  | ชื่อ |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี |  | ปี</ |  |
|---------|--|------|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|------|--|
|---------|--|------|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|------|--|